



अधिकतम : 420°C

न्यूनतम : 28°C

82,391.72

25,104.25

99,070

1,09,000

shahtimes2015@gmail.com

खबरें छुपाता नहीं, आपता है

शाह टाइम्स

लखनऊ, बुधवार 11 जून 2025 लखनऊ संस्करण: वर्ष 16 अंक 220 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

ज्येष्ठ शुक्र पक्ष 15 विक्रमी सप्तम 2025

14 जिलहिज्जा 1446 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुगाडाबाद, बरेली, मेल व लखनऊ से प्रकाशित

विस्तृत खबरों के लिए QR
कोड स्कॉन करें।
मुफ्त पढ़ें E-paperकैरीना कैफ बनी
मालीवी की गोलबल
ट्रॉफी एवं बेस्ट
विद्युत खबर देश-देश परयार्कशायर के लिए
छेलेंगे ऋष्टुराज गायकवाड
विद्युत खबर खेल टाइम्स परयूपी शिया सेंट्रल
वक्फ बोर्ड पर लगा

15 हजार हर्जाना

लखनऊः इलाहाबाद उच्च

न्यायालय की लखनऊ बोर्ड पर तथ्यों

को छिपाकर निरापद याचिका

दाखिल करने पर यूपी शिया सेंट्रल

वक्फ बोर्ड पर 15 हजार रुपये का

हर्जाना लगाकर याचिका खालिज

की ओर भामाली बरेली के एक

मकान व इमामबादे के पास की 15

दुकानों की वक्फ डॉड की थी।

न्यायाधीश जसप्रीत रिंग की एकल

पीठ ने घर फैसला यूपी शिया सेंट्रल

वक्फ बोर्ड की ओर जालिया

पुरुषोंकरण (गिरावंत) याचिका पर

दिया। इसमें छिपाकर संपत्तियों के

तिले पुरुषोंकरण की तैयारी की

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बोर्ड की ओर जालिया

दिया। इसमें छिपाकर संपत्तियों के

तिले पुरुषोंकरण की तैयारी की

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौती देकर दू

करने का आवाह किया गया था।

दरअसल, यह भामाली बरेली में

1934 में शूरू हुआ, जिसमें नवाब

महम्मद दुसैन खान ने अपनी

आंदोलन के दौरान देखा

वक्फ बिल्डर के पास 2024 के

एक फैलेंगे चुनौत

संक्षिप्त समाचार

मंबई में एम्बीबीएस तोंसरे वर्ष के छात्र ने की आत्महत्या

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में सरकारी संसाधन प्राप्ति मॉडल कॉलेज और सर जे जे अभ्यासाल में एम्बीबीएस के तीसरे वर्ष के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने उसका प्राथमिक जाच से पता चला है कि छात्र अवसर में था। पुलिस के अनुसार रोहत रामफेर प्रजापति (22) ने गोवर्हनर राज सर जे जे अभ्यासाल परिवर्त में अपने छात्रावास के कमरे के तरफ खेड़ी से कथित तौर पर फांसी लायी तो घटना का पता तब चला जा सका। उसका रूपमेंट रिटेल विश्वकर्मा उचित दिन रात 10-50 बजे छात्रावास के कमरे में आया। उन्होंने बताया कि प्रजापति को अस्पताल के अपार्टमेंट खेड़ी में ले जाया गया तो लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया। प्रजापति का शव उत्तर माता-पिता को सीप दिया गया है और जांच जारी है।

बस्ती में हाईटेंशन तार से चिपककर सगे भाइयों की मौत

बस्ती। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार का हाईटेंशन तार को छेत्र में उत्तर प्रदेश में बाईयों की मौत हो गई। पुलिस सुने ने बताया कि क्षेत्र के खुलने गए निवासी विश्वविद्यालय यादव (23) और शशि बूषण (25) सगे भाइ हैं। मंगलवार को बिसी का कम लिए दोनों एक लोटे की सीढ़ी से जारी हो रहे थे कि रसायन में लॉटेंशन तार में झुकाव लोटे की ओर दोनों मृत्यु हुये। उन्होंने सवालावास का अद्वितीय में कहा कि सपा कांग्रेस से विश्वविद्यालय के राष्ट्रपति पद पर बैठने के साथ से अपर्याप्त हो गई थी जो उन्हें अत्याधिक अवधि हो गई। उन्होंने बताया कि प्रजापति को अस्पताल के अपार्टमेंट खेड़ी में ले जाया गया तो लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया गया। प्रजापति का शव उत्तर माता-पिता को सीप दिया गया है और जांच जारी है।

आरक्षण पर जम्मू-कश्मीर कैबिनेट ने मंसोदा तैयार किया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में मंसोदा आरक्षण नीति के लिए एक साल तक एवं पूर्व मुख्यमंत्री कार्यकारी और सरकार के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है, जिसे कैबिनेट की बैठक में लेयर किया गया। यह जानकारी एक बार में रखा जाएगा।

फारूक अब्दुल्ला वर्दे भारत में सवार हुए

भ्रीनगर। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉर्पोरेशन के प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को आत्मन ने लोगों की लालौरी से दूर होने के लिए सवार हुए। और सेवा का साधना होना की तथा दूसरे स्थानीय लोगों और पर्यावरण के लिए रोजाना रेलवे सर्वेश्वर-श्रीनगर-बारामूला रेलवे लिंक (यूरोपीय अवारेज) परिवहन की ओर जाकर आत्मन के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है, जिसे कैबिनेट की बैठक में लेयर किया गया। यह जानकारी की बैठक में लेयर किया गया है।

अर्थ व्यापार

बिकवाली से शेयर बाजार की तेजी थमी

मुंबई, वार्ता

विश्व बाजार के मिले-जुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर वित्तीय सेवाएं, दूसरों और रियलटी सेवाएं और समूहों ने भी बिकवाली से शेयर बाजार को पिछले लागतार चार दिनों को जीता आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है। जो कैबिनेट की बैठक में लेयर किया गया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

संबंधित संसेक्षण के लिए एक साल तक एवं स्थानीय समिति ने अपनी रिपोर्ट का मंसोदा तैयार कर दिया है।

जारी की जीती आ थम गया।

वीएसई का तीस शेयरों वाला

</

भाजपा के डिप्टी सीएम समाज के लोगों को लड़ा रहे हैं: अखिलेश

शाह टाइम्स ब्लूरो
लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अद्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अंतर्रुची लड़ाई में अब कौशंबी में दो भाजपाई उपमुख्यमंत्री, दो समाज के लोगों को आपस में लच्छा रहे हैं।



उन्होंने यहाँ जारी बवान में कहा कि पहले एक उपमुख्यमंत्री ने नाहंसाफी करते हुए 'पाल' समाज के लोगों को मोदीवा बनाया। फिर दूसरे उपमुख्यमंत्री ने अपने उस समाज के लोगों को जारी संस्था भरपा दिखाई दी जो समाज इन दोनों के 'लघुपत्रालों' को नहीं भाता है, इसलिए पीछे से वो भी संक्रिय हो गये, जिनके पहले वाले उपमुख्यमंत्री से पुणी रुचि।

तानी है और फिर इन लघुपत्रालों के भी आपस में टक्कर हट है। इसलिए केंद्र वाले, कौशंबी की राजनीति करने वाले, कौशंबी की राजनीति दिखाएंगे तो उनके को संख खड़े हैं। श्री यादव ने कहा कि ध्यान से समाज जाए तो ये भाजपा की अंदर की राजनीति में चाल उपमुख्यमंत्री से पुणी रुचि।

दो या दो से अधिक समाजों को आपस में भिन्नकर 'कौशंबी' लखनऊ, दिल्ली' को भाजपा राजनीति अपना वीभत्स खेल-खेल रही है जिसका शिकायत जाता है रही है। इस लंबाई में वो भी कृद पड़े हैं जिनकी समाज 'सत्ता सजातीय' राजनीति का विषय रूप से दिखाया है और लगातार सत्ता के निशान पर है, जिसके कारण दूसरे उपमुख्यमंत्री अपने समाज पर हो रहे अत्याचार और अपना वर अपनी कुर्सी बचाने के लिए सुविधा जारी करते हैं। श्री यादव ने कहा कि 'शीर्ष भाजपायों' और 'शिवर भाजपायों' के आपसी झगड़े के हैं। उन्होंने कहा कि उनके लोगों की जब वो मामले में उनके लोगों की जब वो कुछ संक्रियता दिखाएंगे तो शायद सत्ता द्वारा निरंतर उत्पन्न व अपानान किये जा रहे उनके

अपने समाज में वो मुंह दिखाने लायक बन जाएंगे। सच तो वो है कि भाजपावों को जनता या किसी समाज की कुछ नहीं पढ़ती है, जिनकी अवधि और समाज को अब और भी संचेत व सत्तक रहना पड़ा, नहीं तो ये भाजपाई समाजों के बीच आग लगाकर अपनी सियासी रोटी सूक्न के बीच लगाकर हैं, वो भाजपा की विभाजनकारी नकारात्मक राजनीति की ओर आवारा है। भाजपा की विभाजनकारी आत्महत्या पर मजबूर करेंगे तो दूसरे पक्ष इनमें घोषित करवाएंगे। कौशंबी का बच्चा-बच्चा जानता है कि सच व्यापक है? श्री यादव ने कहा कि भाजपा जानिति को इस रसर पर ले जाएंगे किसी ने सोचा भी न था। अब जनता, भाजपा की बटवारे की इस राजनीति को समझ रही है, जिससे उन्होंने उनकी अंग्रेजों से सीधा है, जिनका उन्होंने हमेशा साथ दिया था। उन्होंने कहा कि कौशंबी भाजपा के अन्याय का शिकायत है। भाजपा से हाँ वार्ग और समाज को अब और भी संचेत व सत्तक रहना पड़ा, नहीं तो ये भाजपाई समाजों के बीच आग लगाकर अपनी विभाजनकारी वैज्ञानिकों के अधिकारियों के साथ लगाया गया। वानी आदि पर नवीनतम जनकारी के द्वारा खारीफ फसलों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। कौशंबी के कृषि वैज्ञानिकों द्वारा खारीफ प्रधारी के उपकरण निरंतर किसानों ने विधायक करते हुए।

तानी है और फिर इन लघुपत्रालों के भी आपस में टक्कर हट है। इसलिए केंद्र वाले, कौशंबी की राजनीति करने वाले, कौशंबी की राजनीति दिखाएंगे तो शायद सत्ता द्वारा निरंतर उत्पन्न व अपानान किये जा रहे उनके अपने समाज पर हो रहे अत्याचार और अपना वर अपनी कुर्सी बचाने के लिए सुविधा जारी करते हैं। श्री यादव ने कहा कि 'शीर्ष भाजपायों' और 'शिवर भाजपायों' के आपसी झगड़े के हैं। उन्होंने कहा कि उनके लोगों की जब वो मामले में उनके लोगों की जब वो कुछ संक्रियता दिखाएंगे तो शायद सत्ता द्वारा निरंतर उत्पन्न व अपानान किये जा रहे हैं, जिससे उनकी अंग्रेजों से पुणी रुचि।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत

14.17 लाख से अधिक किसानों से संवाद

शाह टाइम्स संवाददाता

संकल्प अभियान 2025 के तहत

प्रोजेक्ट के 75 जिलों में 12 दिन में

लगभग 8100 स्थानों पर

जनवरी-जनवरी कृषि वैज्ञानिकों,

कृषि एवं संवर्तन विभाग के

अधिकारियों के साथ लगाया

14,17,500 से अधिक किसानों ने

प्रतिभाग किया।

12 जून तक निरंतर किसानों

से संवाद जारी रहेगा। उन्हाँने

विकासखंड के बारे में

कृषि वैज्ञानिकों के उपकरण

विकासखंड के बारे में

कूटनीति कितनी कामयाब

ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख से विश्व समुदाय अवगत कराने गया औल पार्टी डेलिगेशन का आविधारी युप भी मंगलवार को भारत लौट आया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में यह डेलिगेशन 5 देशों - अमेरिका, पानामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया गया था। शशि थरूर ने दिल्ली एयरपोर्ट पर मीडिया को कहा कि जिन पांच देशों में हम गए थे, वहाँ हमारा स्वागत अच्छे से हुआ। हमें उन देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति और दूसरे सीनियर लोडर्स से हाई लेवल मीटिंग की। उन लोगों ने समझा कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर क्यों किया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार ने राजनीतिक संदेश पहुंचाने की जिम्मेदारी जिन सात प्रतिनिधिमंडलों, जिनमें ज्यादातर सांसद और कुछ पूर्व राजनीतिक थे को दी थी, उन्होंने अपनी यात्राएं पूरी कर ली हैं। पहलगाम आतंकी हमले और पाकिस्तान से इसके तार जुड़े होने से उपजे आकाश पर देश का नजरिया, पाकिस्तान के आतंकी बुनियाएँ ढांचे पर आतंकी यथा हमलों की स्टीकी प्रकृति और आतंकी हमलों को लिए सरकार द्वारा अनानए गए रुख की जानकारी देने के लिए 59 सदस्यों ने 32 देशों का दौरा किया। यह संदेश महज विदेशी सरकारों के लिए नहीं था, बल्कि कानून-निर्माताओं, विदेशी मीडिया और आम जनता के लिए भी था, खासकर उन देशों में जहाँ नई दिल्ली को यह महसूस हो कि उसे अपेक्षित समर्थन नहीं मिला है। जिन देशों का दौरा किया गया, उनमें से कई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य हैं और वे देश भी शामिल थे, जो निर्वाचित गैर-शास्त्री सदस्य हैं या अगले साल बनेंगे। वह अहम है, क्योंकि भारत को उस बहत राजनीतिक झटके का सम्पादन करना पड़ा जब पाकिस्तान, जो साल 2025-26 के लिए निर्वाचित यूएनएससी सदस्य है, दरेजिस्ट्रेस फ्रंट (टीआरएफ) का जिक्र हटाने के लिए यूएनएससी के बयान में संशोधन कराने में सफल रहा। टीआरएफ ने ही पहलगाम हमले की जिम्मेदार ठहराए जाने का भारत ज्यादा मुश्किल बनाएगा, ताहे वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा उठाए गए नकलची करने से भी मुकाबला करना पड़ा।

सशत्र बलों की बहादुरी को सलाम

पहलगाम आतंकी हमला केंद्र की लाप. रवाही को नीतीजा था, हमले वालों जगह पर सुरक्षार्थी क्यों नदारद थे, भाजपा सशत्र बलों की वीरता का यानी, तिक्कण करने की कोशिश कर रही है, भाजपा सरकार को चले जाना चाहिए, क्योंकि वह देश के लोगों को सुखा देने में नाकाम है, पूरी भौति के बारे में विज्ञान देने में बिजि है, आतंकवाद का कोई धर्म, जाति या पंथ नहीं होता, आतंकवादी को सबक सिखाने की जरूरत थी, हम सशत्र बलों की बहादुरी को सलाम करते हैं, पाक पर किया की गई एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर पीओके वापस लेने का अक अच्छा मौका था।



-ममता बनर्जी

नि-

श्चल प्रेम बसत जिह दद्य, विना स्वार्थ सेवारत रहतीं, ज्याति जातीं संस्कारों की, जगती उत्तरों मां ही कहतीं। मरी स्वर्विच ये पंक्तियाँ मां के स्वरूप को उद्घासित करती हैं। मां जीवन - प्रसारिती होने के साथ साथ संतानि के पालन-पोषण और संस्कारों के बीजारोपण के दीवालियों का सम्प्रक्षण निवेदन करती है। जिनीं के साथ मातृभूमि और नदियों को भी हमें मां कहा है। नदियों जल का स्तोत्र है। जल जीवन का आधार है, यानव शरीर में 60 से 70 प्रतिशत जल होता है और जल के बिना मानवजीवन की कल्पना ही ही जा सकती, क्योंकि मानव को पीने के साथ ही निवारकर्मी होने तक जल की निरात आवश्यकता ही है। साथ ही जल के बिना मानवजीवन की कल्पना ही ही जा सकती, क्योंकि मानव को पीने के साथ ही निवारकर्मी होने तक जल की निरात आवश्यकता ही है। बिना प्राणवायु के विद्युत-आधुनिक समय में स्वार्थपरता, धन लोतुपनि व पौत्रिकाता की अंधी दौड़ में मानव जिस डारी पर बैठा है, वह बिना उसके परिणाम को जाने कोशन काल में अनुभव किया है। इस प्रकार नदियों का विवरण सिंधु घाटी की स्थिता नाम परिशेष रूप से उल्लेखनीय है।

जागरे लिए जीवनदायिनी है और हम नदियों को मां कहते हैं। नदियों ने मानवजीवन के पालन-पोषण में अप्रत्यक्ष भूमिका का निवेदन किया। अनेक संस्थाओं के कानून नदियों के कानून हुआ है, जिसमें सिंधु घाटी की स्थिता नाम परिशेष रूप से उल्लेखनीय है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन का प्राकृतिक रूप से संरक्षण नहीं होता है। जल के बिना आवश्यकताओं की पूर्ति में मातृभूमि भूमिका निभाती है। भारत एक कृषि प्रधान देश है और इसकी 50 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भाव है। कृषि को सिर्विच करने, कृषि-भूमि को उपजारों बनाने के साथ पशुओं में वायु की विपलन, नहलने वाला चारा की उल्लंघनता में नदियों का विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

विलुप्त नदियों में फिर से बहाव की आस

के पालन-पोषण व धनार्जन का आधार है। इसके साथ ही पशु-पक्षी व जलीय जीव-जूतों को भोजन की व्यवस्था भी धार्मिक कृत्यों से हाती रहती है। नदियों जल संरक्षण का प्राकृतिक रूप से संरक्षण नहीं होता है। बिना प्राणवायु के विद्युत-आधुनिक समय में स्वार्थपरता, धन लोतुपनि व पौत्रिकाता की अंधी दौड़ में मानव जिस डारी पर बैठा है, वह बिना उसके परिणाम को जाने कोशन काल में अनुभव किया है। इस प्रकार नदियों का विवरण हमारे लिए जीवनदायिनी है और हम नदियों को मां कहते हैं। नदियों ने मानवजीवन के पालन-पोषण में अप्रत्यक्ष भूमिका का निवेदन किया। अनेक संस्थाओं का विवरण की घटी है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है जो मानवजीवन के लिए खतरों की घटी है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन से जाते हैं। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज जल स्तोत्रों के अंधाधुंध दोहन, अवरक्षण व अतिक्रमण के परिणामस्वरूप देश के विभिन्न क्षेत्रों में भूजल स्तर में तेजी से पिरावट दृष्टिगोचर हो रही है और उन्हें डार्क जॉन घोषित किया जा रहा है। इसके विकारल स्वास्थ्यमात्रा को सम्पर्क रखता है। जल के बिना मानवजीवन के पालन-पोषण के प्रत्यावर्ती है। आज

गोलीबारी से ऑस्ट्रिया के स्कूल में 11 छात्रों की मौत

हमलावर स्कूल के छात्र ने खुद को भी मारी गोली

विवाह। ऑस्ट्रिया के ग्राज शहर में मंगलवार सुबह एक हाई स्कूल में काफ़ारिंग की घटना हुई। इसमें 11 लोगों की मौत हो गई और 28 घायल हो गए। उनमें से चार को हालत बेंड गंभीर है। कुछ लोगों के परिसर में भी गोली लगी है।

पुलिस ने इलाके में बड़ा ऑपरेशन शुरू कर दिया है और लोगों से कहा गया है कि वे वहाँ से दूर रहें। ऑस्ट्रियाई मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक् सुबह करीब 10 बजे बांगे ड्यूक्स्टर्नेंस हाई स्कूल के अंदर गोलीबारी की आवाजें सुनी गईं। इसके तुरंत बाद पुलिस मीक पर पहचानी। रिपोर्ट के अनुसार, सांदर्भ हमलावर शायद उसी स्कूल का छात्र था और उनसे खुद को गोली भारकर जान ले ली। स्कूल के बाहरां में उसकी बांडी मिलने की भी सूचना है। ऑस्ट्रिया



के गृह मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि मृतकों की वास्तविक संख्या अभी नहीं बताई जा सकती है, इसके साथ ही आयतों की संख्या की पुष्टि भी नहीं की जा सकती है। पुलिस प्रवक्ता सबसे स्टॉकर भी ग्राज के लिए रखाना हो गया है, जहाँ उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस

भी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वहाँ क्या हुआ था। फिलहाल संघर्ष फोर्स कोबारा को खबर सुकर बहुत दीर्घी ही दे रहा बच्चे का स्कूल में सुरक्षित महसूस करना चाहिए और उसे भय और हिंसा से मुक्त होकर सीखने में सक्षम होना चाहिए। इस दुखद घटनी में मेरी संवेदनाएं पीड़ितों, उनके परिवारों और ऑस्ट्रियाई लोगों के साथ हैं।

गाजा में उग्रवादी संगठन की मदद कर रहा इजरायल हमास का मुकाबला करने के लिए हाथयार भी दिए

गाजा। इजरायल सरकर पर गंभीर आरोप लगे हैं कि उसने गाजा में हमास का मुकाबला करने के लिए एक फलस्तीनी मिलिशिया को हथियार दिया है। गाजा में हमास का पिछले 2 दशक से कहाँ है।

इजरायल तमाम क्रियाओं के बावजूद हमास का परी तह से खात्मा नहीं कर पाया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक् इजरायल ने गाजा में हमास को खत्म करने की जिम्मेदारी 'पूर्णांग सर्केस' को दी है। इसका लीडर यासर अबू शबाब है। अबू शबाब खुद को 'आतंकवाद के मिमांसा वाला' कहता है, लेकिन कई मानवाधिकार संगठन इसे लुटेरों

■ नेतृत्वाह बोले: इसमें कोई बुराई नहीं

और अपराधियों का नेता मानते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतृत्वाह ने भी यहाँ गाजा में हमास को कापूर और करने के लिए उनके विरोधी संघों को अपना समर्थन दिया है। नेतृत्वाह ने कहा कि अगर इससे इजरायली सैनिकों को जान बचाती है, तो इसमें क्या गलत है। परिवर्तन के लिए उनके अपराधियों के साथ यहाँ खड़ा होना चाहिए। इसका लीडर यासर अबू शबाब एक समय छोड़ अपराधों में लाला था। कुछ साल पहले हमास की पुलिस ने उसे चोरी और ड्रास की तस्करी के आरोप में जेल में

डाल दिया था। 2023 के अंत में जब इजरायल और हमास के बीच जंग छिड़ी, तो इजरायली हवाई हमलों की आड़ में वह जेल से फरार हो गया। जेल से भासने के बाद उन्हें खुद का एक सशर्त महसूस किए गए और उन्हें फिर संघर्षिता खड़ा करने के लिए उनके साथ आया। इसमें 100 से ज्यादा मंदर हैं। ये लड़ाके फलस्तीनी झंडे और 'काउंटर-टेरिस्ट यूनिट' के लिए उनका बाली चार्टर पहनते हैं। अपने गलावल कांडी एम्सेसडर के रूप में याक बाली चार्टर पहनते हैं। गोरखल बहुत है कि कैरीना भारत में ब्रांड एंडोर्सेंट की दुनिया का बड़ा चेररा है। कैरीना ने इस भौके पर कहा कि मालदीव लार्जी और नेचुरल ब्यूटी का शिखर है। ऐसी जगह जहाँ सांदर्भी और शांति एक साथ मिलती है। 'सनी साइड ओफ लाइफ' का फैस बनकर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। इस कॉलेबोरेशन की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। इनके लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी अगले महीने मालदीव पर विशेष यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। अलदीव ने यह कॉलेबोरेशन के लिए नेचुरल ब्यूटी की भौके की विजिट मालदीव ने हाल ही में समर सेल की पैनल लॉन्च किया है ताकि दुनिया भर से ज्यादा से ज्यादा सेलनी मालदीव की ख्यासरती, समुद्र समुद्री जीवन और लाजरी अनुभवों को जान सकें। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार,